

**Q.1) "नकारात्मक उत्सर्जन" (Negative emissions) की अवधारणा के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।**

1. इसका अर्थ वातावरण से CO<sub>2</sub> निकालना तथा इसे भूमि, भूमिगत या महासागरों में संग्रहीत करना है।
2. ये उच्च उष्मन क्षमता वाली गैसें हैं, जो जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में अधिक खतरा पैदा करती हैं।

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.1) Solution (a)**

दिसंबर में COP21 जलवायु वार्ता में अपनाया गया पेरिस समझौता, पूर्व-औद्योगिक स्तरों के ऊपर औसत वैश्विक सतही तापमान को "पूर्ण रूप से 2C से नीचे" तक सीमित करने का वैश्विक उद्देश्य रखता है। यह आगे कहता है कि इसे 1.5C तक सीमित करने के लिए "प्रयास" होने चाहिए।

पिछले वर्ष प्रकाशित एक अध्ययन ने चेतावनी दी थी कि वैश्विक तापमान में 2C को बनाए रखने के लिए सभी परिदृश्यों को "नकारात्मक उत्सर्जन" - वातावरण से CO<sub>2</sub> को हटाने तथा इसे भूमि, भूमिगत या महासागरों में संग्रहीत करने की आवश्यकता है।

**Q.2) "महासागरीय विऑक्सीजनन" (Ocean deoxygenation) नामक रिपोर्ट किसके द्वारा जारी की गई है?**

- a) UNEP
- b) IPCC
- c) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण (UN CLIMATE)
- d) IUCN

**Q.2) Solution (d)**

हाल ही में, एक रिपोर्ट, जिसका शीर्षक, **महासागरीय विऑक्सीजनन (Ocean deoxygenation): सभी के लिए समस्या** था, को प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) द्वारा जारी किया गया था।

महासागरीय विऑक्सीजनन मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के सबसे घातक, अभी तक रिपोर्ट किए गए दुष्प्रभावों में से एक है। महासागरीय विऑक्सीजनन के प्राथमिक कारण यूट्रोफिकेशन (भूमि और सीवेज प्रदूषण से पोषक तत्व का बढ़ना) और जीवाश्म ईंधन के जलने से नाइट्रोजन का जमाव है, जो सागरीय उष्मन के व्यापक प्रभावों से जुड़ा है। उष्मन से होने वाली ऑक्सीजन की हानि के वैश्विक महासागरीय ऑक्सीजन भंडार के खतरनाक परिणाम हैं, जो पहले से ही 50 साल की अवधि (1960 से 2010 तक) में 2% तक कम हो गए हैं।

**Q.3) बढ़ते समुद्री प्रदूषण के संदर्भ में, ग्लोबल वार्मिंग और जल निकायों के प्रदूषण के प्रभाव क्या हैं?**

1. समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि

2. महासागरीय विऑक्सीजनन (Ocean deoxygenation)

3. महासागरों की ऑक्सीजन मांग में कमी

4. महासागरों के तल पर गैस हाइड्रेट का निर्माण

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 3 और 4
- उपरोक्त सभी

**Q.3) Solution (a)**

जलवायु परिवर्तन: चूंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागर गर्म होता है, इसलिए यह महासागर को गर्म करने वाले विऑक्सीजनन (deoxygenation) को प्रेरित करता है।

- गर्म सागर का पानी कम ऑक्सीजन रखता है और ठंडे पानी की तुलना में अधिक उत्प्लावित (buoyant) होता है। इससे गहरे पानी के साथ सतही ऑक्सीजन युक्त पानी का मिश्रण कम हो जाता है
- गर्म पानी जीवित जीवों की ऑक्सीजन की मांग भी बढ़ाता है (चयापचय दर बढ़ाता है)।
- तलीय पानी के गर्म होने से मीथेन गैस हाइड्रेट्स की अस्थिरता में वृद्धि हो सकती है

पोषक तत्व प्रदूषण (यूट्रोफिकेशन/ सुपोषण) - इससे तटीय जल में उर्वरक, सीवेज, पशु और जलीय कृषि अपशिष्ट के मिलने से ऑक्सीजन की हानि होती है, क्योंकि इससे शैवाल की अत्यधिक वृद्धि होती है, जो बदले में अपघटन प्रक्रिया से ऑक्सीजन का स्तर निम्न कर देते हैं।

**Q.4) हाल ही में समाचारों में देखे गए कार्बन मूल्य निर्धारण (carbon pricing) से क्या तात्पर्य है?**

- यह वह लागत है, जिसे कंपनियों को अपनी उत्पादन लाइनों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी लाने के लिए वहन करना पड़ता है।
- यह कार्बन उत्सर्जन की बाह्य लागत है, जैसे फसलों को नुकसान, तथा गर्म लहरों (heat waves) और सूखे से स्वास्थ्य देखभाल की लागत या बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि से प्रभावित संपत्ति की लागत है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

**Q.4) Solution (b)**

कार्बन मूल्य निर्धारण वाक्यांश ने कार्बन का एक मूल्य निर्धारित कर दिया है जो अब देशों और व्यापार के बीच बढ़ती गति के साथ अच्छी तरह से जाना जाता है ताकि उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ विकल्पों में निवेश लाने के साधन के रूप में कार्बन प्रदूषण पर मूल्य आरोपित किया जा सके।

कई मार्गों द्वारा सरकार कार्बन का मूल्य निर्धारण कर सकती है, सभी एक ही परिणाम के लिए अग्रणी हैं। वे कार्बन उत्सर्जन की बाह्य लागत के रूप में जानी जाने वाली चीजों से लागु करना शुरू कर सकती हैं - लागत जैसे फसलों को नुकसान तथा गर्म लहरों (heat waves) और सूखे से स्वास्थ्य देखभाल की लागत या बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि से प्रभावित संपत्ति की लागत है।

**Q.5) ओजोन परत क्षयकारी पदार्थों से संबंधित मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के तहत विकासशील और विकसित देशों के समान लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व हैं, जहां विकसित देशों के पास कानूनी रूप से बाध्यकारी लक्ष्य हैं और विकासशील देशों के पास गैर-बाध्यकारी लक्ष्य हैं
2. भारत ने क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) के बाद, सबसे प्रबल ओजोन क्षयकारी रसायन HCFC-141 b, को पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से हटा दिया।

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.5) Solution (b)**

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक ऐतिहासिक बहुपक्षीय पर्यावरण समझौता है जो लगभग 100 मानव निर्मित रसायनों के उत्पादन और खपत को नियंत्रित करता है जिन्हें ओजोन क्षयकारी पदार्थ (ओडीएस) कहा जाता है।

- 1987 में अपनाया गया, प्रोटोकॉल अब तक की एकमात्र संयुक्त राष्ट्र संधि है जिसे सभी 197 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- विकासशील और विकसित देशों में समान लेकिन विभेदित जिम्मेदारियां होती हैं, लेकिन दोनों देशों के समूहों में बाध्यकारी, समय-लक्षित और माप योग्य प्रतिबद्धताएं होती हैं।
- किगाली समझौते ने 2016 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में संशोधन किया।

भारत ने क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) के बाद, सबसे प्रबल ओजोन क्षयकारी रसायन HCFC-141 b, को पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से हटा दिया।

**Q.6) भारतीय शहर विश्व में सबसे खराब वायु प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। शहरों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।**

1. प्रदूषण का पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए LiDAR प्रौद्योगिकी का उपयोग

2. सड़कों पर प्रयोग किए जाने वाले प्रकाश उत्प्रेरक पेंट (Photocatalytic paints)
3. 'स्मॉग टावर्स' की स्थापना
4. उद्योगों की चिमनियों से स्क्रबर्स को हटाना

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2, 3 और 4
- c) केवल 1, 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी।

**Q.6) Solution (c)**

वायु प्रदूषण से लड़ने के लिए निम्नलिखित तकनीकी समाधानों का उपयोग किया जा सकता है:

- बेहतर प्रदूषण- निगरानी के लिए लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (LiDAR) और वायरलेस सेंसर नेटवर्क (WSN) तकनीक का उपयोग।
- उद्योगों में ऑक्सी भट्टियों (oxy furnaces) को अपनाना
- सड़कों पर इस्तेमाल किए जाने वाले फोटोकैटलिटिक पेंट
- एंटी स्मॉग गन का इस्तेमाल

स्क्रबर्स वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण हैं जो एक औद्योगिक निकास या फ्लू गैस स्ट्रीम से कण पदार्थ या गैसों को हटाने के लिए तरल का उपयोग करते हैं। इस एटमाइज्ड तरल (आमतौर पर पानी) में कणों और प्रदूषक गैसों को प्रवेश कराया जाता है ताकि गैस के प्रवाह से पहले प्रभावी रूप से उन्हें निकाला जा सके।

**Q.7) निम्नलिखित युगों पर विचार करें:**

**कन्वेंशन / प्रोटोकॉल : प्रदूषक**

1. गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल: ओजोन
2. बेसल कन्वेंशन: प्लास्टिक
3. रॉटरडैम कन्वेंशन: कीटनाशक फीराट
4. स्टॉकहोम कन्वेंशन: अनवरत कार्बनिक प्रदूषक (Persistent Organic Pollutants -POP)

उपरोक्त में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 4
- c) केवल 1, 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.7) Solution (d)**

## IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 42 Environment

कन्वेंशन / प्रोटोकॉल	प्रदूषक
स्टॉकहोम कन्वेंशन	अनवरत कार्बनिक प्रदूषक (Persistent Organic Pollutants -POP), इसे मई 2001 में अपनाया गया था और 2004 में लागू किया गया था। यह पीओपी की तीन श्रेणियों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई के लिए कहता है: कीटनाशक, औद्योगिक रसायन, और अनजाने में उत्पादित पीओपी (unintentionally produced POPs)
रॉटरडैम कन्वेंशन	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कुछ खतरनाक रसायनों और कीटनाशकों के लिए पूर्व सूचित सहमति प्रक्रिया (पीआईसी)
बेसल कन्वेंशन	इसे 1989 में अपनाया गया था और 1992 में लागू किया गया था। इसके आवेदन का दायरा उनके मूल और / या संरचना और उनकी विशेषताओं के आधार पर "खतरनाक कचरे" के रूप में परिभाषित कचरे की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है। पीआईसी (पूर्व सूचित सहमति) प्रक्रिया के तहत गैर-मिश्रित, मिश्रित और दूषित प्लास्टिक कचरे को शामिल करने तथा इसके सीमापारीय संचलन के नियमन में सुधार करने के लिए एक संशोधन को अपनाया गया।
गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल	इसका उद्देश्य अम्लीकरण (एसिडिफिकेशन), यूट्रोफिकेशन और ग्राउंड-लेवल ओजोन को समाप्त करना है तथा यह लॉन्ग-रेंज सीमापारीय वायु प्रदुषण पर कन्वेंशन का हिस्सा है।

### Q.8) प्रवाल (corals) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रवाल भित्तियों में उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की तुलना में अधिक जैव विविधता होती है।
2. वे केवल उष्णकटिबंधीय महासागरों और समुद्रों में पाए जाते हैं।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

### Q.8) Solution (a)

प्रवाल एक पॉलीप (polyp) है, एक जीव, जो उथले समुद्र में रहता है। इसका कंकाल चूना पत्थर और डोलोमाइट से बना होता है। इन पॉलीप्स के कंकालों के जमाव की परतें एक उथली चट्टान बनाती हैं जिसे प्रवाल भित्ति के नाम से जाना जाता है।

- एक नए अध्ययन के अनुसार, प्रवाल भित्तियां भूमध्यरेखीय जल से पीछे हट रही हैं और अधिक समशीतोष्ण क्षेत्रों में नई भित्तियां स्थापित कर रही हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि पिछले चार दशकों के दौरान, उष्णकटिबंधीय भित्तियों पर युवा प्रवाल की संख्या में 85 प्रतिशत की गिरावट आई है - और उपोष्ण कटिबंधों में भित्तियों दोगुनी हो गई है।
- प्रवाल भित्तियां उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की तुलना में अधिक विविध हैं क्योंकि प्रवाल भित्तियों की 1,000,000 से अधिक प्रजातियां हैं।

**Q.9) कृषि प्रथाओं (agricultural practices) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. पलवार (Mulching) खेती के मौसमों के बीच में फलीदार फसलों (leguminous crops) की खेती करने की प्रथा है
2. अंतर-फसल (Inter-cropping) पद्धति में एक ही भूखंड के भीतर एक साथ विभिन्न फसलें उगाना शामिल होता है।
3. पट्टीदार खेती (Strip cropping) में दो फसलों एक साथ बढ़ती हैं, जिसमें अलग-अलग विकास क्रियाएं होती हैं और उनके बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती है

उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2 और 4
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.9) Solution (c)**

अंतर - फसल (Intercropping)	अंतर-फसल में जमीन के एक ही भूखंड के भीतर एक साथ अलग-अलग फसलें उगाना शामिल होता है। यह पैदावार बढ़ाता है और अजैविक आदानों के उपयोग को अधिकतम करता है, जैसे धूप, पानी आदि का कुशल उपयोग।
पलवार (Mulching)	घासों-खरपतवार (Mulches) मूल रूप से अपशिष्ट पादप सामग्री होते हैं। मल्लिचिंग में, ये पादप सामग्री फसलों के आधार के चारों ओर फैले हुए होते हैं। यह मिट्टी को अपरदन से बचाता है, भारी बारिश के प्रभाव से संहनन (compaction) को कम करता है, नमी का संरक्षण करता है,
पट्टीदार खेती (Strip cropping)	पट्टीदार खेती (Strip cropping) दो या दो से अधिक फसलों को एक साथ पट्टी में उगाया जाता है, जो स्वतंत्र खेती की अनुमति देने के लिए पर्याप्त रूप से विस्तृत हो, इसमें आपसी प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए पौधों के बीच में दुरी रखी जाती है
समानांतर खेती (Parallel cropping)	समानांतर खेती में दो फसलें एक साथ बढ़ती हैं, जिनमें अलग-अलग विकास की क्रियाएं होती हैं और उनमें आपस में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती है।

**Q.10) शून्य जुताई (Zero Tillage) केंद्रीय तत्व है, जिसे अब व्यापक रूप से संरक्षण कृषि कहा जाता है। शून्य जुताई के क्या लाभ हैं?**

1. मृदा की संरचना में सुधार तथा मृदा के आवरण से पानी को अवशोषित करने और सोखने की मृदा की क्षमता में वृद्धि होती है
2. मृदा अपरदन लगभग 90% कम हो जाता है तथा मृदा में जैविक क्रियाएं कम हो जाती हैं।
3. मृदा से वाष्पीकरण को बढ़ाता है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2



- c) केवल 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.10) Solution (a)**

शून्य जुताई (Zero Tillage) केंद्रीय तत्व है, जिसे अब व्यापक रूप से संरक्षण कृषि कहा जाता है। यह फसल उत्पादन तकनीक में एक क्रांति लाता है, क्योंकि यह कृषि को प्रकृति के साथ सद्भाव में लाता है।

**विशेषताएं:**

फसल के अवशेष समान रूप से वितरित किए जाते हैं और मिट्टी की सतह पर छोड़ दिए जाते हैं;

- मिट्टी की परत को पलटने, उस पर खेती करने, या फसल के अवशेषों को शामिल करने के लिए किसी भी प्रकार के उपकरणों का उपयोग नहीं किया जाता है;
- घास-फूस और / या उद्देश्यपूर्ण लगाए गए कवर फसलों को एक गैर-प्रदूषक देसी कीटनाशक के पूर्व-रोपण आवेदन द्वारा नियंत्रित किया जाता है;
- एक विशिष्ट बोने की मशीन या ड्रिल कट के माध्यम से मृदा सतह पर जमा अवशेषों के साथ, न्यूनतम जुताई के साथ मिट्टी में बीज (और उर्वरक) बोया जाता है;
- बाद में खरपतवार नियंत्रण के लिए कुछ पूर्व उपाय किया जाता है, लेकिन ज्यादातर बाद में उभरने वाली शाकनाशियों द्वारा, जो पारंपरिक जुताई में भी उपयोग की जाती हैं;
- फसल चक्रण शून्य जुताई के लिए मूलभूत है, क्योंकि यह स्थायी गीली घास के आवरण के लिए पर्याप्त बायोमास स्तरों को बढ़ावा देता है; यह खरपतवारों, कीटों और रोगों के नियंत्रण के साथ-साथ मिट्टी की भौतिक स्थिति को सुधारने में भी सहायता करता है।
- मृदा अपरदन को लगभग 90% कम किया जाता है और मिट्टी की जैविक गतिविधि और जैव-विविधता को अधिकतम किया जाता है
- गैर -जुताई /कूड़ाई प्रथा से भी वाष्पीकरण धीमा हो जाता है, जिसका अर्थ है कि न केवल वर्षा जल का बेहतर अवशोषण होता है, बल्कि इससे सिंचाई क्षमता भी बढ़ती है, अंततः उच्च पैदावार, खासकर गर्म और शुष्क मौसम के दौरान, होती है।

**Q.11) हाल ही में, केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB) ने भारत में भूजल आर्सेनिक प्रदूषण पर रिपोर्ट जारी की है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. प्रायद्वीपीय राज्य आर्सेनिक संदूषण से सबसे अधिक प्रभावित हैं
2. आर्सेनिक संदूषण पशुधन आबादी को प्रभावित करता है
3. आर्सेनिक संदूषण के स्रोतों में प्राकृतिक और मानवजनित दोनों शामिल हैं

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.11) Solution (c)**

हाल ही में, केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB) ने भारत में भूजल आर्सेनिक प्रदूषण पर रिपोर्ट जारी की है:

- देश भर के 21 राज्यों में भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) की तुलना में आर्सेनिक के स्तर के साथ संदूषण अधिक हैं। जो 0.01 मिलिग्राम प्रति लीटर (mg / l) की अनुमेय सीमा निर्धारित है।
- गंगा-ब्रह्मपुत्र- मेघना (GBM) नदी के किनारे वाले राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम सबसे अधिक प्रभावित हैं
- सिंचाई के लिए भूजल का नियमित निष्कर्षण मिट्टी में आर्सेनिक बढ़ाता है और फलस्वरूप फसलों द्वारा इसका एकत्रीकरण होता है। इसके अलावा, दूषित पानी से भरे धान के खेत अंततः खाद्य फसलों में आर्सेनिक के संचय का कारण बनते हैं।
- पशुओं के लिए चारे के रूप में उपयोग किए जाने वाले चावल की भूसी, आर्सेनिक संदूषण के प्रभावों को उजागर करती है। यह मनुष्यों के लिए संभावित जोखिम की ओर जाता है जब वे पशु-आधारित खाद्य उत्पादों का उपभोग करते हैं

**आर्सेनिक संदूषण के स्रोत:**

- भूजल में प्राकृतिक प्रक्रिया: चट्टानों और खनिजों का अपक्षय जिसमें रेत, गाद और मिट्टी शामिल होती है, इसके बाद लीचिंग और अपवाह होती है।
- भूजल के गहन दोहन, उर्वरकों के अनुप्रयोग, कोयले के जलने और कोयला-राख के आवरण से धातुओं के लीचिंग जैसी मानव संबंधी गतिविधियाँ

**Q.12) भारत में पानी की कमी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. एक जल-तनावग्रस्त स्थिति (water-stressed condition) तब होती है जब प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1,700 घन मीटर से कम होती है
2. एक जल कमी की स्थिति (Water-scarcity condition) तब होती है जब प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1,000 घन मीटर से कम होती है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.12) Solution (c)**

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 600 मिलियन भारतीय “अत्यधिक जल तनाव” का सामना करते हैं तथा 75% घरों के अपने परिसरों में पीने का पानी नहीं है। 81.67% ग्रामीण घरों में पानी के नल का कनेक्शन नहीं है।



- भारत की वार्षिक प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता 2001 में 1,820 घन मीटर से घटकर 2011 में 1,545 घन मीटर हो गई, जो आगे चलकर 2025 में 1,341 घन मीटर तक गिर सकती है।
- केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बेंचमार्क के अनुसार, एक जल-तनावपूर्ण स्थिति (water-stressed condition) तब होती है जब प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1,700 घन मीटर से कम होती है, तथा प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1,000 घन मीटर से कम होने की स्थिति में जल की कमी की स्थिति (Water-scarcity condition) होती है।

**Q.13) जल जीवन मिशन (JJM) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. JJM का लक्ष्य केवल 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदान करना है।
2. यह एकीकृत रूप से पानी की मांग और आपूर्ति प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगा

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.13) Solution (c)**

JJM का लक्ष्य 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण घर (हर घर नल से जल) (55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (lpcd) की दर से सेवा स्तर के साथ) कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदान करना है।

पेयजल और स्वच्छता विभाग के तहत यह मिशन, स्थानीय स्तर पर पानी की एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और कृषि में पुनः उपयोग के लिए घरेलू अपशिष्ट जल के प्रबंधन जैसे स्रोत सततता के लिए स्थानीय बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है।

**Q.14) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (2018 में संशोधित) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. प्लास्टिक कैरी बैग की अधिकतम मोटाई यानी 50 माइक्रोन परिभाषित करता है
2. ग्रामीण क्षेत्रों को नियमों के तहत लाया जाता है
3. प्लास्टिक के नियंत्रित उपयोग के लिए सड़क विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं पर जिम्मेदारी तय की गयी है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.14) Solution (b)**

**प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (2018 में संशोधित):**

- प्लास्टिक कैरी बैग की न्यूनतम मोटाई यानी 50 माइक्रोन को परिभाषित करता है। इससे लागत में वृद्धि होगी और मुफ्त कैरी बैग प्रदान करने की प्रवृत्ति कम होगी।
- स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी: ग्रामीण क्षेत्रों को नियमों के तहत लाया जाता है क्योंकि प्लास्टिक ग्रामीण क्षेत्रों में भी पहुंच गया है। ग्राम सभाओं को कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।
- विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी: उत्पादकों और ब्रांड मालिकों को अपने उत्पादों से उत्पन्न कचरे को इकट्ठा करने के लिए उत्तरदायी बनाया गया है
- सड़क विक्रेता (स्ट्रीट वेंडर्स) और खुदरा विक्रेता की जिम्मेदारी: ऐसे कैरी बैग मुहैया नहीं कराना अर्थात जुर्माना लगाया जायेगा। केवल स्थानीय निकायों को पंजीकरण शुल्क के भुगतान पर पंजीकृत दुकानदारों को शुल्क पर प्लास्टिक कैरी बैग देने की अनुमति होगी।

**Q.15) हालिया अखिल भारतीय बाघ अनुमान (All India Tiger estimates) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. कर्नाटक राज्य में भारत में बाघों की संख्या सबसे अधिक है
2. बाघ -अधिकृत क्षेत्रों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.15) Solution (d)**

चार साल की बाघ जनगणना रिपोर्ट, 'बाघों की स्थिति, सह-शिकारियों, शिकारियों और उनके निवास स्थान, 2018' से पता चलता है कि भारत में बाघों की संख्या 2014 में 2,226 से 2018 में बढ़कर 2967 हो गई है।

**अखिल भारतीय बाघ अनुमान (All India Tiger estimates) 2018 के निष्कर्ष:**

- बाघों में सबसे बड़ी वृद्धि: मध्य प्रदेश में 2014 में 308 से 526 तक सबसे बड़ी वृद्धि हुई है। अब, मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या सबसे अधिक है।
- बाघ-अधिकृत क्षेत्रों में लगातार हानि: बाघ अधिकृत क्षेत्र में शुद्ध हानि चार वर्षों में बाघों के निवास का 20% मानी गयी है।
- बुक्सा (पश्चिम बंगाल), दाम्फा (मिजोरम) और पलामू (झारखंड) टाइगर रिजर्व में कोई बाघ दर्ज नहीं किया गया।

**Q.16) चीता पुनःप्रजनन कार्यक्रम (Cheetah reintroduction programme) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।**

1. एशियाई चीता विलुप्त हो चुका है। इसलिए, भारत अफ्रीकी प्रस्तावित कर रहा है
2. चीता शुष्क वनों, झाड़ियों वाले वनों और सवाना की कीस्टोन प्रजाति है।
3. चीता के पुनःस्थापन के लिए कुनो पालपुर (Kuno Palpur) पसंदीदा स्थान है

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 3
- c) केवल 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.16) Solution (c)**

पहली बार 2009 में प्रस्तावित की गई यह योजना लगभग विलुप्त हो रही भारतीय चीता की आबादी के लिए थी।

- ईरान में एशियाई चीता की एक उप-प्रजाति है, लेकिन उन्होंने भारत के साथ साझा करने से इनकार कर दिया है, जिससे सरकार अफ्रीकी चीता को देख रही है।
- 2010 में, केंद्र सरकार ने भारत में चीता को फिर से लाने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल की स्थापना की थी। चीता की शुरुआत के लिए कुनो पालपुर पसंदीदा स्थान था। यह सांसद द्वारा एशियाई शेरों को आवास देने के लिए तैयार किया गया स्थान भी था
- चीता शुष्क वनों, झाड़ियों वाले वनों और सवाना की कीस्टोन प्रजाति है।
- आईयूसीएन स्थिति: अफ्रीकी चीता- सुभेद्य तथा एशियाई चीता - गंभीर रूप से लुप्तप्राय (केवल ईरान में जीवित)।

**Q.17) उष्णकटिबंधीय (tropical) और समशीतोष्ण (temperate) वनों की विविधता के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. समशीतोष्ण वनों में पेड़ों की पतली छतरी (thin canopy) होती है जबकि उष्णकटिबंधीय वनों में घनी छतरी (thick canopy) होती है
2. समशीतोष्ण वनों की तुलना में उष्णकटिबंधीय वनों में बहुत अधिक पेड़ों की प्रजातियाँ होती हैं।

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.17) Solution (c)**

## IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 42 Environment

समशीतोष्ण वनों में वनस्पतियों की विशेषता 3-4 वृक्ष प्रजाति प्रति वर्ग किलोमीटर होती है जबकि उष्णकटिबंधीय वनों के लिए यह 100 विभिन्न वृक्ष प्रजातियों के बराबर हो सकती है।

- समशीतोष्ण वनों में पेड़ों की एक पतली छतरी होती है जो अधिक प्रकाश और गर्मी को घुसने और छोटे और ठंडे रक्त वाले जानवरों (cold-blooded animals) जैसे कि गार्टर स्लेक, कछुए और कुछ उभयचरों के अस्तित्व की अनुमति देती है। उष्णकटिबंधीय वनों में पेड़ों की एक मोटी छतरी होती है जो प्रकाश को घुसने के लिए प्रतिबंधित करती है
- समशीतोष्ण वनों के पेड़ व्यापक पत्तियों द्वारा प्रतिष्ठित होते हैं जो शुष्क मौसम के दौरान प्रतिवर्ष अपने पत्ते छोड़ देते हैं। उनमें ओक, हिकरी, बीच, हेमलॉक, मेपल, बेसवुड, कॉटनवुड, एल्म, विलो, और वसंत-फूलों वाली जड़ी-बूटियों जैसी प्रजातियां शामिल हैं। बोरियल या टैगा जंगलों के मामले में, पेड़ शीत सहिष्णु सदाबहार शंकुधारी होते हैं जिनमें चीड़, देवदार, और स्प्रूस जैसे सुई जैसे पत्ते वाले होते हैं। जबकि उष्णकटिबंधीय वनों में, पेड़ 25- 30 मीटर ऊंचे होते हैं, जिनमें उथली जड़ें होती हैं, जिनमें ज्यादातर सदाबहार होते हैं, जिनमें गहरे गहरे हरे रंग की पत्तियां होती हैं। कुछ उदाहरण ऑर्किड, ब्रोमेलियाड, वाइन (lianas), फर्न, मांस और पाम (palms) शामिल हैं।

**Q.18) एक पारिस्थितिकी तंत्र की उत्पादकता के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. एक पारिस्थितिकी तंत्र की सकल प्राथमिक उत्पादकता, प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बनिक पदार्थों के उत्पादन की दर होती है।
2. द्वितीयक उत्पादकता परपोषितों (heterotrophs) के उपभोग के लिए उपलब्ध जैवभार/ बायोमास होता है
3. शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता को उपभोक्ताओं द्वारा नए कार्बनिक पदार्थों के निर्माण की दर के रूप में परिभाषित किया गया है

**उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?**

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 3
- c) केवल 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

**Q.18) Solution (a)**

कथन-1 : सत्य	कथन-2 : असत्य	कथन- 3: असत्य
एक पारिस्थितिकी तंत्र की सकल प्राथमिक उत्पादकता प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बनिक पदार्थों के उत्पादन की दर है। जीपीपी की एक बड़ी मात्रा का उपयोग श्वसन प्रक्रिया में पौधों द्वारा किया जाता है।	द्वितीयक उत्पादकता को उपभोक्ताओं द्वारा नए कार्बनिक पदार्थों के निर्माण की दर के रूप में परिभाषित किया गया है	सकल प्राथमिक उत्पादकता से श्वसन हानि को घटाने पर, शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता (NPP) प्राप्त होती है। शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता परपोषी (शाकाहारी और अपघटकों) के उपभोग के लिए उपलब्ध जैवभार /बायोमास है

**Q.19) भारत का तारों वाला बौना मेंढक (Starry Dwarf Frog) किस क्षेत्र में पाया जाता है?**

- पश्चिमी हिमालय
- पूर्वी हिमालय
- पश्चिमी घाट
- अंडमान और निकोबार द्वीप क्षेत्र

**Q.19) Solution (c)**

भारत के पश्चिमी घाट में अंगूठे के नाखून के आकार की प्रजातियों (thumbnail-sized species) की खोज की गई थी।

- नई प्रजाति एक प्राचीन वंश का एकमात्र सदस्य है जो लाखों वर्षों तक पीछे जाता है तथा एक नए उप-परिवार की खोज का भी प्रतिनिधित्व करता है
- शोधकर्ताओं ने उन्हें बौने मेंढकों का उपनाम दिया है क्योंकि वे एक वयस्क के अंगूठे के आकार के आसपास होते हैं, जिसका एक नारंगी पेट, एक भूरा पीठ होता है और सफेद धब्बे में कवर होता है।

**Q.20) भारत में निम्नलिखित में से कौन, गंभीर रूप से लुप्तप्राय (Critically Endangered) प्रजातियाँ हैं?**

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
- मालाबार सीवेट
- गंगाई शार्क
- लाल सिर वाला गिद्ध (Red headed Vulture)
- पिग्मी हाँग

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- केवल 1 और 2
- केवल 1, 2, 3 और 4
- केवल 2, 3, 4 और 5
- उपरोक्त सभी।

**Q.20) Solution (b)**

गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियाँ

स्तनधारी	<ul style="list-style-type: none"><li>बड़ा रॉक चूहा या एलवीरा चूहा</li><li>नामदाफा उड़न गिलहरी।</li><li>मालाबार सीवेट</li><li>सुमात्राई गैंडा और जावाई गैंडा</li></ul>
पक्षी	<ul style="list-style-type: none"><li>साइबेरियन क्रेन और स्पून-बिल्ड सैंडपाइपर</li><li>बंगाल फ्लोरिकन</li><li>ग्रेट इंडियन बस्टर्ड</li></ul>

## IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 42 Environment

	<ul style="list-style-type: none"> <li>भारतीय गिद्ध, लाल सिर वाले गिद्ध, स्लेंडर -बिल्ड गिद्ध और सफेद पीठ वाले गिद्ध।</li> </ul>
मछलियों का वर्ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>पांडिचेरी शार्क और गंगा शार्क।</li> <li>बड़े-दाँत वाली साँ फ़िश और लार्ज-कॉम्ब साँ फ़िश या संकीर्ण-थूथन वाली साँ फ़िश</li> </ul>
आईयूसीएन लाल सूची में हालिया बदलाव	<ul style="list-style-type: none"> <li>पिग्मी हॉग: स्थिति गंभीर रूप से लुप्तप्राय ((CR) से लुप्तप्राय (EN) में परिवर्तित।</li> <li>कोंडाना रैट: स्थिति गंभीर रूप से लुप्तप्राय (CR) से लुप्तप्राय (EN) में परिवर्तित</li> <li>लेदरबैक कछुआ: स्थिति गंभीर रूप से लुप्तप्राय ((CR) से कमजोर (VU) में परिवर्तित।</li> </ul>

**Q.21) हाल ही में, भारत की 10 आद्रभूमियों को 'अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आद्रभूमियों' की सूची में जोड़ा गया था। भारत में रामसर स्थलों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. नए सम्मिलित होने के साथ, भारत में कुल रामसर स्थल बढ़कर 36 हो गए हैं।
2. उत्तर प्रदेश में अन्य भारतीय राज्यों की तुलना में सबसे अधिक रामसर स्थल हैं।
3. गोवा और तेलंगाना को छोड़कर सभी दक्षिणी राज्यों में न्यूनतम एक रामसर स्थल है।

**उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?**

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

**Q.21) Solution (c)**

- रामसर कन्वेंशन औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आद्रभूमियों पर कन्वेंशन के रूप में जाना जाता है, विशेष रूप से जलीय पक्षियों के आवासों (Waterfowl Habitat) के रूप में।
- रामसर कन्वेंशन के दोहरे उद्देश्य हैं। आद्रभूमि का संरक्षण और सतत उपयोग; तथा आद्रभूमि के अतिक्रमण और नुकसान को रोकना।
- 10 नए रामसर स्थल हैं:
  - नंदुर मदमहेश्वर, महाराष्ट्र के लिए पहला।
  - केशोपुर-मियां, ब्यास संरक्षण रिजर्व और नांगल पंजाब में।
  - उत्तर प्रदेश में नवाबगंज, पार्वती आगरा, समन, समसपुर, सांडी और सरसई नावर।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य



<p>भारत में 27 रामसर स्थलों की सूची में 10 और आद्रभूमियों को शामिल किया है। इसके साथ, अंतर्राष्ट्रीय संधि के तहत भारत में कुल 37 स्थलों को मान्यता दी गई है।</p>	<p>7 स्थलों के साथ उत्तर प्रदेश में रामसर स्थलों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद पंजाब 6 स्थानों के साथ है।</p>	<p>दक्षिणी राज्य में, कर्नाटक, गोवा और तेलंगाना में कोई रामसर स्थल नहीं है। केरल में 3 (अष्टमुडी आद्रभूमि, सस्तमकोट्टा झील वेम्बनाड-कोल आद्रभूमि), तमिलनाडु (प्वाइंट कैलिमेरे), महाराष्ट्र (नंदूर मदमहेश्वर) और आंध्र प्रदेश (कोल्लेरू) एक-एक हैं।</p>
--	--	--

**Q.22) विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएँ (WESP) रिपोर्ट, किसका वार्षिक प्रकाशन है**

- विश्व आर्थिक मंच (WEF)
- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)
- संयुक्त राष्ट्र (UN)
- विश्व बैंक

**Q.22) Solution (c)**

- विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएँ (WESP) रिपोर्ट विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक वार्षिक संयुक्त राष्ट्र प्रमुख प्रकाशन है, जिसे सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के लेंस के माध्यम से देखा गया है।
- यह संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (UN/DESA), व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) और पांच संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय आयोगों द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया जाता है।

**Q.23) समाचारों में देखा गया शब्द 'ड्रोसोफिला' (Drosophila) क्या है**

- डिजिटल मुद्रा
- अनुसंधान में मॉडल जीव
- आक्रामक विदेशी प्रजातियां
- कंप्यूटर मैलवेयर

**Q.23) Solution (b)**

- पुणे में एशिया पैसिफिक ड्रोसोफिला सम्मेलन का 5 वां संस्करण आयोजित किया गया। यह भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे द्वारा पहली बार देश में आयोजित किया जा रहा है।
- यह एक द्विवार्षिक सम्मेलन है तथा इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ड्रोसोफिला शोधकर्ताओं की अंतःक्रिया को संसार के बाकी हिस्सों में अपने साथियों के साथ बढ़ावा देना है।
- ड्रोसोफिला दो पंखों वाली मक्खियों की एक जीन है जिसे आमतौर पर फल मक्खियों के रूप में जाना जाता है। ड्रोसोफिला पिछले 100 वर्षों के लिए दुनिया भर में जैविक अनुसंधान में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल और पसंदीदा मॉडल जीवों में से एक है।
- इसका जीनोम पूरी तरह से अनुक्रमित है तथा इसकी जैव रसायन, शरीर क्रिया विज्ञान और व्यवहार के बारे में व्यापक जानकारी उपलब्ध है,

## IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 42 Environment

- आसानी से पहचाने जाने वाले जीनों के समूह का लगभग 60% जो मानव रोगों के विविध सेट में उत्परिवर्तित, प्रवर्धित या हटाए गए हैं, ड्रोसोफिला में एक समकक्ष है।

**Q.24) ब्लू डॉट नेटवर्क (Blue Dot Network) के बारे में, निम्नलिखित कथन पर विचार करें:**

- यह सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाने के लिए एक बहु-हितधारक पहल है।
- इसके समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पुनःबहाली तकनीकों के लिए, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणाली के रूप में कार्य करने की उम्मीद है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

**Q.24) Solution (a)**

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ब्लू डॉट नेटवर्क (BDN) वैश्विक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उच्च गुणवत्ता, विश्वसनीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाने के लिए एक बहु-हितधारक पहल है। BDN को औपचारिक रूप से 4 नवंबर, 2019 को थाईलैंड के बैंकॉक में इंडो-पैसिफिक बिजनेस फोरम में घोषित किया गया था। इसका नेतृत्व जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ अमेरिका भी करेगा।	इसके भारत-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ सड़कों, बंदरगाहों और पुलों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणाली के रूप में काम करने की उम्मीद है। अवसंरचना परियोजनाओं को ऋण, पर्यावरण मानकों, श्रम मानकों आदि पर वर्गीकृत किया जाएगा।

**Q.25) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:**

बहुपक्षीय सम्मेलन	मेज़बान देश
1. शांगरी-ला डायलॉग	चीन
2. रायसीना संवाद	भारत
3. सागरमाथा संवाद	बांग्लादेश

**ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?**

- केवल 1
- केवल 1 और 2

- c) केवल 3  
d) केवल 1 और 3

**Q.25) Solution (d)**

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	सत्य	असत्य
भारत का रायसीना डायलॉग सिंगापुर के शांगरी-ला डायलॉग की तर्ज पर आधारित है।	रायसीना डायलॉग 2020 एक बहुपक्षीय सम्मेलन है जो वैश्विक समुदाय के सामने सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो नई दिल्ली में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।	सागरमाथा संवाद नेपाल सरकार की एक पहल है जो 2020 से आरंभ होने वाली एक स्थायी द्विवार्षिक वैश्विक वार्ता की मेजबानी करने के लिए है। यह वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय महत्व के सबसे प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए प्रतिबद्ध एक बहु-हितधारक संवाद मंच है।

**Q.26) 'लासपेयर्स सूचकांक' (Laspeyres Index) किससे संबंधित है**

- a) शेयर बाजार में अस्थिरता  
b) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक  
c) मंदी के कारण बेरोजगारी  
d) गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां

**Q.26) Solution (b)**

- लासपेयर्स सूचकांक एक पद्धति है जो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की गणना करके माल की टोकरी की कीमत के परिवर्तन को आधार वर्ष में मापता है।

सोचिए!

- पाशे सूचकांक (Paasche's Index)

**Q.27) 'शत्रुघ्न चौहान सर्वोच्च न्यायालय अधिनिर्णय' किससे संबंधित है**

- a) दया याचिकाएँ  
b) विवाह का अधिकार  
c) संपत्ति का अधिकार  
d) निजता का अधिकार

**Q.27) Solution (a)**

शत्रुघ्न चौहान मामले में, राष्ट्रपति द्वारा दया याचिकाओं की अस्वीकृति को उनकी दया याचिकाओं, मानसिक बीमारी, और एकान्त कारावास की निगरानी में अनुचित देरी के आधार पर चुनौती दी गई थी।

मृत्यु दंड के लिए दया को खारिज करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा अनुचित देरी यातना के लिए दोषी है। राष्ट्रपति द्वारा इस तरह की बेवजह और अस्पष्टीकृत देरी अपने आप में दोषी को सजा देने के लिए पर्याप्त है।

**Q.28) 'रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।**

1. ओपीसीडब्ल्यू के पास यह कहने की शक्ति है कि क्या रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल एक हमले में किया गया था, इसकी जांच की गई है।
2. यह संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है तथा नीदरलैंड के हेग में मुख्यालय है।

**सही कथनों का चयन करें**

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.28) Solution (a)**

ओपीसीडब्ल्यू, 193 सदस्य राज्यों के साथ, जिसका हेग, नीदरलैंड में मुख्यालय है, तथा रासायनिक हथियारों के स्थायी और सत्यापन योग्य उन्मूलन के लिए वैश्विक प्रयास की देखरेख करता है।

संगठन संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी नहीं है, लेकिन नीति और व्यावहारिक मुद्दों दोनों पर सहयोग करता है।

ओपीसीडब्ल्यू के पास यह कहने की शक्ति है कि क्या रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल एक हमले में किया गया था, जिसकी जांच की गई है।

**Q.29) 'जैविक हथियार कन्वेंशन' (Biological Weapons Convention) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।**

1. यह रासायनिक और जैविक हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है, लेकिन रखने या विकास करने पर नहीं।
2. यह 1929 में लीग ऑफ नेशंस संधि श्रृंखला में पंजीकृत हुआ था।

**सही कथनों का चयन करें**

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

**Q.29) Solution (d)**

## IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 42 Environment

बैक्टीरियोलॉजिकल (जैविक) और टॉक्सिन (ज़हरीले) हथियारों के विकास, उत्पादन और भण्डारण के निषेध पर कन्वेंशन तथा उनके विनाश पर पहली बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण संधि थी जो हथियारों की एक पूरी श्रेणी के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाती थी।

इसे 10 अप्रैल 1972 को हस्ताक्षर के लिए खोला गया था और 26 मार्च 1975 में लागू किया गया

**Q.30) 'ताल छापर अभयारण्य' कहाँ स्थित है**

- a) गुजरात
- b) मध्य प्रदेश
- c) राजस्थान
- d) महाराष्ट्र

**Q.30) Solution (c)**

ताल छापर अभयारण्य उत्तर पश्चिमी राजस्थान के चुरू जिले में स्थित एक अभयारण्य है।

